Dictation 40.

Rupa and Priya almost agree about something!

रूपा - (पढ़ते हुए) "यद्यपि व्याकरण के अभ्यास से किसी भी भाषा को सीखने में आसानी होती है, तथापि शब्दों का प्रयोग ही भाषा सीखने का बेहतरीन उपाय है। अगर आपको कोई नया शब्द दिखता है तो उसे वाक्य में प्रयोग करने की कोशिश ज़रूर करें। नए नए शब्दों का प्रयोग करने से घबराएँ नहीं।"

प्रिया - ज्योंही तुमने "यद्यपि" कहा, त्योंही मैं समझ गई कि यह बात प्रोफ़ेसर मिश्रा ने कही है। क्या तुमने उनके निबंध पढ़े हैं? उनके लिखे हरेक वाक्य में चार-पाँच नए शब्द मिल जाएँगे!

रूपा - तुम प्रोफ़ेसर मिश्रा की बड़ी निंदा किया करती हो। उन्हें सचमुच भाषाओं से प्रेम है। हालाँकि वे पच्चीस सालों से विश्वविद्यालय में हिन्दी पढ़ा रही हैं, फिर भी वे अपने को हिन्दी भाषा का विद्यार्थी ही समझती हैं।

प्रिया - पर मैं कहाँ इस बात को मानने से इनकार कर रही हूँ? प्रोफ़ेसर मिश्रा बहुत ही अच्छी अध्यापिका हैं। औपचारिक रूप से तो वे हिन्दी के प्रोफ़ेसर हैं, परंतु उन्हें बहुत-से अन्य विषयों का भी ज्ञान है। उन्हींके कारण मेरा रूसी साहित्य से परिचय हुआ था।

रूपा - उनकी एक बात मुझे हमेशा याद रहेगी। उन्होंने एक बार हिन्दी की प्रसिद्ध लेखिका शिवानी का उदाहरण देकर कहा था कि चाहे आप हिन्दी में लिखते हों या बंगला में, अगर आपको किसी एक भाषा में रुची है, तो आप दूसरे भाषाओंमें भी आसानी से लिख सकेंगे।

प्रिया - बस अगर प्रोफ़ेसर मिश्रा इतने सख़्त नहीं होतीं तो...

रूपा - तो शायद तुम उन्हें अपना गुरु बना लेती!

***

Rupa: (Reading) "Although practicing grammar makes it easy to learn a language, the best way to learn a language is to use [its] words. If you see a new word, you must attempt to use it in a sentence. Do not be afraid to use new words."

Priya: As soon as you said "although" (formal), I knew that this was said ('has been said') by Professor Mishra. Have you read essays written by her? You will find four or five new words in each sentence written by her!

Rupa: You tend to speak very badly of Professor Mishra. She really does love languages. Although she has been teaching Hindi at [a] university for twenty-five years, she considers herself to be only a student of Hindi.

Priya: But when have I refused ('where am I refusing') to accept this? Professor Mishra is a very good teacher indeed. Formally, she is a professor of Hindi, but she has knowledge of many other subjects. I got introduced to Russian literature because of her.

Rupa: I will always remember something that she said ('a thing that she said'). Once he gave the example of the famous Hindi writer, Shivani, and said that whether you write in

Hindi or in Bengali, if you are interested in one language, you will easily be able to write in another.
Priya: Now if only Professor Mishra hadn't been so strict…
Rupa: Then you would probably have made her into your guru!